भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +1842

सोमवार, 14 मार्च, 2022/23 फाल्गुन, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान का स्थापित किया जाना

+1842. डॉ. बीसेट्टी वैंकट सत्यवतीः

श्री संजय काका पाटीलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान की स्थापना की पूर्व-आवश्यकता का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार भारतीय पर्यटन तथा यात्रा प्रबंधन संस्थान आन्ध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र के केन्द्र के रूप में दक्षिण भारत में जल पर्यटन तथा साहसिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु आन्ध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम तथा महाराष्ट्र में सांगली में राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान स्थापित करने का है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान (एनआईडब्ल्यूएस) गोवा, भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) के तहत कार्यरत एक केन्द्र है जो जल क्रीड़ा और उससे संबंधित गतिविधियों में प्रशिक्षण और प्रमाणन के लिए पर्यटन मंत्रालय के अधीन एक केंद्रीय स्वायत्त निकाय है । एनआईडब्ल्यूएस गोवा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जल संबंधी क्रीड़ा गतिविधियों के प्रशिक्षण के लिए अधिदिष्ट है । एक केंद्रीय स्वायत्त निकाय के किसी केंद्र को खोलने के लिए पर्यटन विकास की संभावना, संसाधन उपलब्धता, व्यवहार्यता, मांग और ऐसे ही अन्य कारक तथा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्थलों के बीच तुलनात्मक लाभ जैसे कारकों के आधार पर विशाखापत्तनम और सांगली सहित स्वायत्त निकायों की शाखाओं का निर्णय लिया जाता है । मंत्रालय में महाराष्ट्र के सांगली और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तन में राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

*****